

॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ गणेश्वराय नमः
 ॐ गणक्रीडाय नमः
 ॐ महागणपतये नमः
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः
 ॐ विश्वमुखाय नमः
 ॐ दुर्जयाय नमः
 ॐ धूर्जयाय नमः
 ॐ जयाय नमः
 ॐ सुरूपाय नमः
 ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः १०
 ॐ वीरासनाश्रयाय नमः
 ॐ योगाधिपाय नमः
 ॐ तारकस्थाय नमः
 ॐ पुरुषाय नमः
 ॐ गजकर्णकाय नमः
 ॐ चित्राङ्गाय नमः
 ॐ श्यामदशनाय नमः
 ॐ भालचन्द्राय नमः
 ॐ चतुर्भुजाय नमः
 ॐ शम्भुतेजसे नमः २०
 ॐ यज्ञकायाय नमः
 ॐ सर्वात्मने नमः
 ॐ सामबृंहिताय नमः
 ॐ कुलाचलांसाय नमः

ॐ व्योमनाभये नमः
 ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः
 ॐ निम्ननाभये नमः
 ॐ स्थूलकुक्षये नमः
 ॐ पीनवक्षसे नमः
 ॐ बृहद्भुजाय नमः ३०
 ॐ पीनस्कन्धाय नमः
 ॐ कम्बुकण्ठाय नमः
 ॐ लम्बोष्ठाय नमः
 ॐ लम्बनासिकाय नमः
 ॐ सर्वायवसम्पूर्णाय नमः
 ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः
 ॐ इक्षुचापधराय नमः
 ॐ शूलिने नमः
 ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः
 ॐ अक्षमालाधराय नमः ४०
 ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः
 ॐ विजयावहाय नमः
 ॐ कामिनीकामनाकाममालिनी-
 केलिलालिताय
 नमः
 ॐ अमोघसिद्धये नमः
 ॐ आधाराय नमः
 ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः

ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः

ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः

ॐ कर्मसाक्षिणे नमः

ॐ कर्मकर्त्रे नमः ५०

ॐ कर्मकर्मफलप्रदाय नमः

ॐ कमण्डलुधराय नमः

ॐ कल्पाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ कटिसूत्रभृते नमः

ॐ कारुण्यदेहाय नमः

ॐ कपिलाय नमः

ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः

ॐ गुहाशयाय नमः

ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः ६०

ॐ घटकुम्भाय नमः

ॐ घटोदराय नमः

ॐ पूर्णानन्दाय नमः

ॐ परानन्दाय नमः

ॐ धनदाय नमः

ॐ धरणीधराय नमः

ॐ बृहत्तमाय नमः

ॐ ब्रह्मपराय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ७०

ॐ भव्याय नमः

ॐ भूतालयाय नमः

ॐ भोगदात्रे नमः

ॐ महामनसे नमः

ॐ वरेण्याय नमः

ॐ वामदेवाय नमः

ॐ वन्द्याय नमः

ॐ वज्रनिवारणाय नमः

ॐ विश्वकर्त्रे नमः

ॐ विश्वचक्षुषे नमः ८०

ॐ हवनाय नमः

ॐ हव्यकव्यभुजे नमः

ॐ स्वतन्त्राय नमः

ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः

ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः

ॐ कीर्तिदाय नमः

ॐ शोकहारिणे नमः

ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः

ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ चतुर्दन्ताय नमः ९०

ॐ चतुर्थातिसम्भवाय नमः

ॐ सहस्रशीर्षे पुरुषाय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ सहस्रपादे नमः

ॐ कामरूपाय नमः

ॐ कामगतये नमः

ॐ द्विरदाय नमः

ॐ द्वीपरक्षकाय नमः

ॐ क्षेत्राधिपाय नमः		ॐ दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः
ॐ क्षमाभर्त्रे नमः	१००	ॐ भगवते नमः
ॐ लयस्थाय नमः		ॐ भक्तिसुलभाय नमः
ॐ लङ्कुकप्रियाय नमः		ॐ याज्ञिकाय नमः
ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः		ॐ याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

http://stotrasamhita.net/wiki/Ganapati_Ashtottara_Shatanamavali. This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>